* P A S - 1 6 0 7 0 4 0 1 0 3 2 4 0 0 - 5 0 - 2 *

**PAS-16070401032400** Seat No. _____

# B. R. S. (Sem. III) (CBCS) Examination

**October / November – 2018**

## Hindi : Core-7

***(New Course)***

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

**सूचना :** सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ लघु–उपन्यास के उद्‌भव विकास की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

**अथवा**

१ 'सारा आकाश' उपन्यास का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १५

२ 'प्रभा' की चारित्रिक विशेषता पर प्रकाश डालिए । १५

**अथवा**

२ 'सारा आकाश' में चित्रित समस्याओं की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या लिखिए : १५

(१) ''गला फाड़कर चीखने वाले इन नेताओं को शरम भी नहीं आती, अपने वनमानुषों जैसे मुँह का गम्भीर बनाकर कहेंगे कि अब हम स्वतंत्र है ।''

(२) ''मुझे दण्ड दो भगवान, मुझे दण्ड दो । मैंने एक निरीह अबला पर घोर अत्याचार किये हैं । उसे नारकीय यातनाएँ दी जाती रही और मैं चुपचाप देखता रहा ।''

(३) ''मुझसे ना नहीं होता जिठानीजी, कि कोई दुत्कारता रहे और पूँछ हिलाते रहो, ठोकर मारता रहे और तलुए चाटते रहो ।''

(४) ''जिस दिन तुम भी मेरे चरित्र पर संदेह करोगे, उस दिन जहर खा लूँगी ।''

(५) ''क्या–क्या अरमान थे, सब पर पानी फिर गया । लेन–देन की तो खैर कोई बात नहीं, एकाध साल में आई–गई बात हो जाती है । लेकिन वह महारानीजी तो जिन्दगी–भर को बंध गई ।''

४ राजेन्द्र यादव के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १५

**अथवा**

४ लघु उपन्यास के तत्त्वों की दृष्टि से 'सारा आकाश' उपन्यास की समीक्षा कीजिए । १५

५ निम्न मध्य वर्ग के संवेदनशील, शिक्षित युवक के प्रतिनिधि के रूप में समर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १०

**अथवा**

५ 'सारा आकाश' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए । १०